# सांध्य दैनिक 4PM

हे मानव! तू क्या गर्व करता है? काल अपने हाथों में तेरे केश पकड़े हुए है। मालूम नहीं, वह घर या परदेश में, कहां पर तुझे मार डाले।

-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 150 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 6 जुलाई, 2022



विश्व का आठवां अजूबा होगा अयोध्या... 2 | यूपी चुनाव में बीजेपी विधायकों ने... 3 | सिद्धार्थनगर में बेकाबू कार खाई... 7


# महंगाई का एक और झटका, फिर बढ़े घरेलू गैस सिलेंडर के दाम

## विपक्ष बोला, पूंजीपति मित्रों के लिए काम कर रही भाजपा सरकार

» लखनऊ में 11 सौ के करीब पहुंचा एलपीजी सिलेंडर का दाम

» बढ़ती महंगाई से आम आदमी बेहाल, नहीं मिल रही सब्सिडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। तेल कंपनियों ने आज फिर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की वृद्धि की है। इसके साथ पांच किलोग्राम के छोटू सिलेंडर को भी महंगा कर दिया गया है। वहीं बढ़ती महंगाई पर विपक्ष ने भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के लिए नहीं बल्कि अपने पूंजीपति मित्रों के लिए काम कर रही है।

तेल कंपनियों द्वारा जारी की नई दरों के मुताबिक, लखनऊ में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1040 की जगह अब 1090 का मिलेगा। वहीं पांच किलोग्राम का छोटू सिलेंडर अब 382 की जगह 400 रुपये में मिलेगा। इसके अलावा दस किलोग्राम के कंपोजिट सिलेंडर में भी तेल कंपनियों ने करीब 40 रुपये की वृद्धि की है। अब यह सिलेंडर 741 की जगह 777 रुपये में मिलेगा। रसोई गैस के दामों में लगातार बढ़ोतरी से लोगों की जेब खाली हो रही है। गौरतलब है कि देश के अधिकांश शहरों में अब सरकार की तरफ से गैस सिलेंडर पर सब्सिडी नहीं दी जा रही है लिहाजा खरीदारों को बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर ही खरीदने पड़ रहे हैं। सरकार उज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन पाने वाले लाभार्थियों को ही सिर्फ सब्सिडी दे रही है।

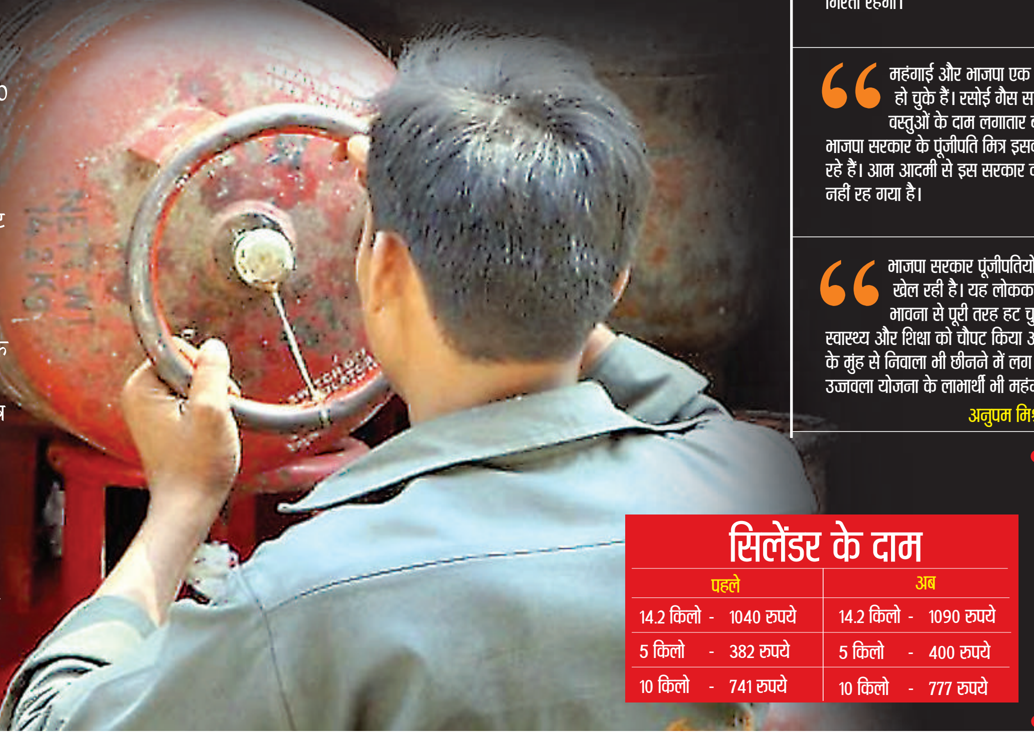

### व्यावसायिक सिलेंडर के दाम में कटौती

घरेलू गैस में जहां तेल कंपनियों ने बढ़ोतरी की है वहीं व्यावसायिक सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों को एक बार फिर राहत मिली है। 19 किलोग्राम का सिलेंडर अब 2130 की बजाय 2120 रुपए में मिलेगा। कुछ दिन पहले व्यावसायिक सिलेंडर पर तेल कंपनियों ने 192 रुपए की कमी की थी।

“ देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। इसने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। भाजपा सरकार केवल अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। आम आदमी के दुख-दर्द से उसको कोई मतलब नहीं रह गया है। जब तक ये सरकार रहेगी महंगाई बढ़ती रहेगी और रुपया गिरता रहेगा।

सुनील सिंह साजन, सपा नेता

“ महंगाई और भाजपा एक दूसरे के पूरक हो चुके हैं। रसोई गैस समेत सभी वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और भाजपा सरकार के पूंजीपति मित्र इसका फायदा उठा रहे हैं। आम आदमी से इस सरकार को कोई मतलब नहीं रह गया है।

दीपक सिंह, कांग्रेस नेता

“ भाजपा सरकार पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है। यह लोककल्याणकारी भावना से पूरी तरह हट चुकी है। पहले स्वास्थ्य और शिक्षा को चौपट किया अब आम आदमी के मुंह से निवाला भी छीनने में लग गयी है। वहीं उज्जवला योजना के लाभार्थी भी महंगी गैस भरा नहीं पा रहे हैं।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

**सिलेंडर के दाम**

| पहले | अब |
|---|---|
| 14.2 किलो - 1040 रुपये | 14.2 किलो - 1090 रुपये |
| 5 किलो - 382 रुपये | 5 किलो - 400 रुपये |
| 10 किलो - 741 रुपये | 10 किलो - 777 रुपये |

**कब, कितनी बढ़ी कीमत**

| | |
|---|---|
| जुलाई, 2021 | 25 रुपये |
| अगस्त, 2021 | 25 रुपये |
| सितम्बर, 2021 | 25 रुपये |
| अक्टूबर, 2021 | 15 रुपये |
| मार्च 2022 | 50 रुपये |
| मई, 2022 | 50 रुपये |
| मई, 2022 | 3.50 रुपये |
| जुलाई, 2022 | 50 रुपये |

# लालू यादव की हालत नाजुक, अस्पताल पहुंचे नीतीश, पीएम मोदी ने जाना हाल

» एयर एंबुलेंस से ले जाया जाएगा दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के पारस अस्पताल में भर्ती बिहार के पूर्व सीएम व राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की हालत नाजुक है। उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली लाने की तैयारी की जा रही है। इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव से फोन पर चर्चा कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सीएम नीतीश कुमार ने पारस अस्पताल जाकर राजद प्रमुख का हाल-चाल जाना।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव रविवार को पटना में राबड़ी देवी के सरकारी आवास में गिर गए थे। इससे उनके कंधे की हड्डी टूट गई थी। शरीर

के अन्य हिस्सों में भी उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। हालत बिगड़ने पर उन्हें पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नीतीश कुमार ने अस्पताल जाकर राजद नेता तेजस्वी यादव और चिकित्सकों से लालू यादव के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। तेजस्वी यादव ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो राजद सुप्रीमो को सिंगापुर ले जाया जाएगा। पीएम मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी फोन कर पूर्व सीएम का हालचाल जाना।

## सीएम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि, कहा

# उनके संघर्ष और बलिदान से आज कश्मीर है भारत का हिस्सा

ब्रिटिश हुकूमत के षड्यंत्रों को किया था बेनकाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वे एक महान शिक्षक और एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। अगर कश्मीर आज भारत का हिस्सा है तो यह उनके संघर्ष और बलिदान के कारण है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक और देश की आजादी में योगदान देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 122 वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

अस्पताल परिसर में लगी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और कहा कि उन्होंने एक सच्चे सेनानी की तरह काम किया। डॉ. मुखर्जी ने आजाद भारत में नारा दिया था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे। उस सपने को पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा करने में मदद मिली है। देश और समाज के प्रति उनकी सेवाओं को देखते हुए आजादी के बाद बनी अंतरिम सरकार में डा.मुखर्जी ने उद्योग एवं खाद्य विभाग मंत्रालय का महत्वपूर्ण दायित्व मिला था। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के तमाम षड्यंत्रों को बेनकाब करने व समय रहते सचेत करने का काम किया था। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

# लखनऊ को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर

» उत्तराधिकार व वसीयत का नामांतरण शुल्क 5000 रुपये तक करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल एवं घर का मलबा सड़कों पर रखने वालों से आयकर विभाग के कॉस्ट इंप्लेशन इंडेक्स के आधार पर शुल्क वसूलने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा आयकर के कास्ट इंडेक्स के आधार पर शुल्क को पुनरीक्षित करते हुए वसूली की व्यवस्था बनाई जाए। इसी प्रकार उत्तराधिकार या वसीयत से संबंधित नामांतरण शुल्क की अधिकतम सीमा 5000 रुपए तक करने के भी निर्देश दिए हैं। वह आवास विभाग द्वारा तैयार विभिन्न नियमावलियों और विकास प्राधिकरणों के कार्यकलापों का प्रस्तुतीकरण देख रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों की भूमि, सड़क, सार्वजनिक स्थान पर निर्माण सामग्री और मलबा रखने पर वाले व्यक्तियों व नगर निकायों पर लगाए जाने वाले अंबार शुल्क को पुनरीक्षित करने के लिए नियमावली तैयार की जाए। इसी प्रकार संपत्तियों के नामांतरण (म्यूटेशन) की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए। उन्होंने नामांतरण पर लगने वाले एक प्रतिशत प्रभार शुल्क लेने को अव्यवहारिक बताया। कहा कि प्रभार शुल्क कम किए जाएं। मुख्यमंत्री ने फ्री होल्ड की जाने या गिफ्ट की जाने वाले संपत्तियों के मूल्य के आधार पर ली जाने वाली म्यूटेशन फीस को अधिकतम 10 हजार रुपये करने को कहा है। वहीं लीज वाली संपत्तियों पर एक फीसदी तक म्यूटेशन फीस लेने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि संपत्ति नामांतरण की प्रक्रिया जनहित गारंटी अधिनियम में है। लिहाजा आम नागरिकों के आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने लखनऊ को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

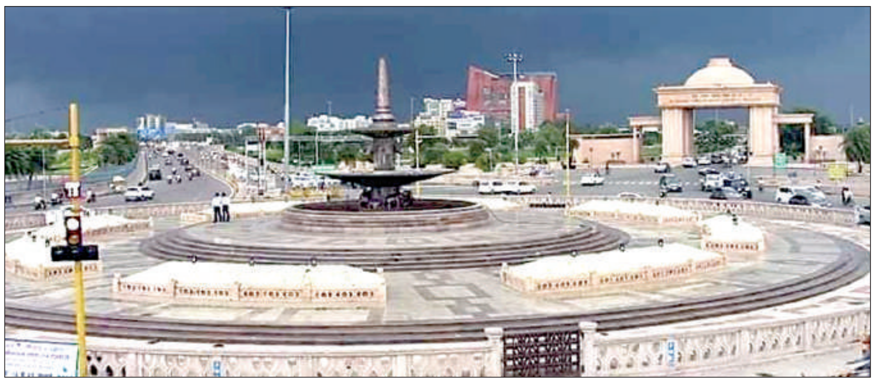

## सभी प्राधिकरणों में एक समान हो जल शुल्क

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि विकास प्राधिकरणों द्वारा निवासियों से जल शुल्क लेने की व्यवस्था की जाए। अधिकांश विकास प्राधिकरणों में जल शुल्क नहीं लिया जा रहा है। कुछ विकास प्राधिकरणों जैसे लखनऊ व वाराणसी अपने स्तर पर निर्धारित शुल्क पर जल शुल्क ले रहे हैं। इसके लिए जल शुल्क नियमावली बनाई जाए। जहां कोई भूमि व भूखंड विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित योजना के बाहर हो या जहां प्राधिकरण जलापूर्ति करने में असमर्थ हो, वहां जल शुल्क कतई न लिया जाए।

## दो माह में शुरू करें लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण

सीएम ने लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर का काम दो माह में शुरू करने का निर्देश दिया। लखनऊ में गोमती नदी के दोनों तटों और नैमिषारण्य अतिथि भवन के आसपास कुछ झुग्गी बस्तियां हैं। इनका चिह्नीकरण यहां के निवासियों का व्यवस्था कराई जाए। नियमानुसार इन्हें पीएम आवास, शौचालय आदि शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। यह कार्य जल्द से जल्द करा लिया जाए। बटलर झील को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जाए।

# विश्व का आठवां अजूबा होगा अयोध्या का राम मंदिर : राम नाईक

» पूर्व राज्यपाल ने अयोध्या में रामलला के किए दर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तीन दिवसीय अयोध्या दौरे पर आए उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल रामनाईक ने कहा कि राममंदिर दुनिया का आठवां अजूबा होगा। उन्होंने रामलला सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद कहा कि लोग कहते हैं दुनिया में सात अजूबे हैं उसमें भारत का एक ताजमहल भी है। अब आठवां अजूबा अयोध्या का राममंदिर होगा। पूर्व राज्यपाल ने महाराष्ट्र की राजनीति पर भी बड़ा बयान दिया है। कहा कि मुख्यमंत्री के फेर में उद्धव ठाकरे ने एनसीपी और कांग्रेस से गठबंधन कर लिया था। उद्धव ठाकरे को विधान के अनुसार काम करने की आदत नहीं है।

दिवंगत बाला साहब ठाकरे जिस प्रकार से काम करते थे, उनके साथ और उनके पीछे जो कार्यकर्ताओं की शक्ति थी, वह उद्धव ठाकरे के पास नहीं है। पार्टी से 50 विधायक निकल जाना बड़ी बात है। अगर लड़ना है तो लड़ने की दृष्टि से लड़ना चाहिए। कहा कि पार्टी के संगठन के पदाधिकारियों से शिवसेना एफिडेविट मांग रही है। पार्टी के साथ हूं या नहीं। इतने साले से जो आपके संगठन में हैं उनसे आप एफिडेविड ले रहे हो, यह साफ दिखाई दे रहा है कि जनतंत्र चलाने के लिए जो मानसिकता होनी चाहिए वह उद्धव ठाकरे में नहीं है। उन्होंने अखिलेश यादव व योगी आदित्यनाथ के काम की तुलना करते हुए कहा कि अगर प्रदेश की प्रगति और विकास की तुलना की जाए तो अखिलेश यादव ने 100 में 70 अंक प्राप्त किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 90 फीसदी अंक प्राप्त करके प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभाई है।

# भाजपा राज में केवल विपक्ष के लोगों पर ही दर्ज हो रहे मुकदमे : आजम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर विधायक आजम खां के खिलाफ कल किसी मुकदमे में सुनवाई नहीं हो सकी। सुनवाई के लिए आजम खां समेत अन्य आरोपित कोर्ट में पेश हुए थे, लेकिन न्यायाधीश अवकाश थे। कोर्ट ने अगली तारीख नियत कर दी है। कोर्ट में हाजिरी लगाने के बाद आजम खां ने कहा कि भाजपा राज में केवल विपक्ष के लोगों पर ही मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं।

कुछ मुकदमे सरकारी पक्ष के उन लोगों पर भी दर्ज होने चाहिए, जो कानून तोड़ रहे हैं। हमारे परिवार के खिलाफ तो बड़े पैमाने पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। हमारे समर्थकों पर भी मुकदमे लिखे गए हैं।

आजम खां के खिलाफ एक दिन में 14 मुकदमे सुनवाई के लिए लगे थे। इनमें पांच शहर कोतवाली में दर्ज यतीमखाना प्रकरण के थे। इन मुकदमों में आरोप है कि आजम खां ने यतीमखाना बस्ती के लोगों के घरों को तुड़वा दिया था। इस दौरान सपाइयों और पुलिस कर्मियों ने उनके साथ मारपीट और लूटपाट की थी।

# आभा सिंह को प्रयागराज में ही मिलेगी स्थायी नौकरी : बृजेश पाठक

» डॉक्टरों के तबादले में मनमानी की जांच रिपोर्ट का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तेरहवीं के बाद तबादला पाने वाले सर्जन डॉ. दीपेंद्र सिंह की पत्नी डॉ. आभा सिंह को प्रयागराज में ही स्थायी नौकरी मिलेगी। दिवंगत चिकित्सक की पत्नी और बच्चों से मिलने उनके घर पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यह घोषणा की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और चिकित्सक के पुत्र को अपने पास बुलाकर दुलारा। डिप्टी सीएम ने पत्नी और भाई से कहा कि सरकार इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है।

मौत के बाद किए गए तबादले की जांच कराई जा रही है। इसके लिए जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। लिवर संक्रमण के इलाज के लिए पांच साल से तबादला मांग रहे डॉ. दीपेंद्र की तेरहवीं के बाद हुए तबादले पर किरकिरी से बचने के लिए सरकार अब जख्मों पर मरहम लगाने में जुट गई है। कल दोपहर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अल्लापुर स्थित दिवंगत चिकित्सक दीपेंद्र के परिजनों के आंसू पोछने उनके घर पहुंचे। वहां उन्होंने पत्नी डॉ. आभा सिंह और भाई हेमेंद्र सिंह से मिलकर तेरहवीं के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हुए डॉ. दीपेंद्र के तबादला आदेश की जांच शुरू कराने की जानकारी दी। डिप्टी सीएम ने परिजनों को ढांढस बंधाया। डॉ. दीपेंद्र के पुत्र को अपने पास बुलाकर बैठाया और उसे भी सांत्वना दी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

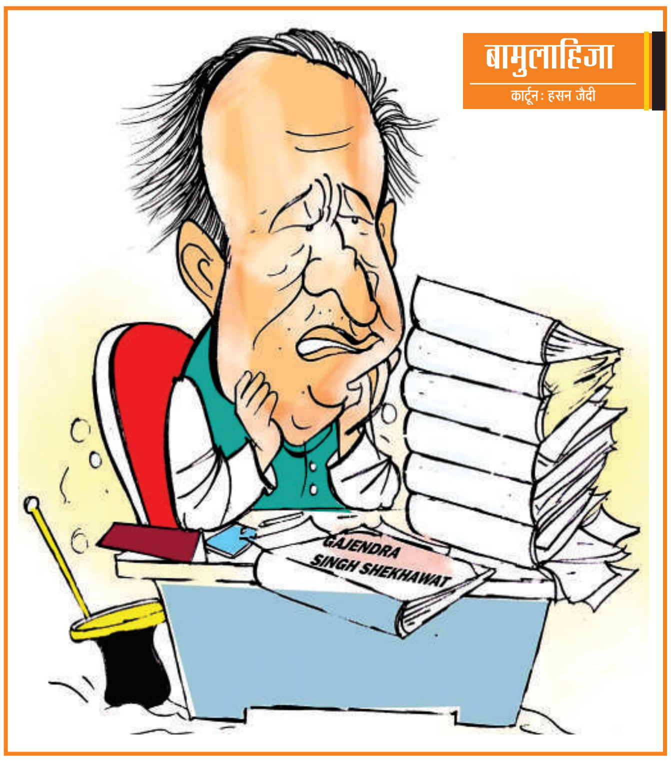


# योगी सरकार 50 पार वाले भ्रष्ट अधिकारियों को जबरन करेगी रिटायर

» मुख्य सचिव ने सभी विभागों को जारी किया शासनादेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में संकल्प पत्र के वादे पूरे करने के बाद बचे हुए वादों को पूरा करने में जुट गए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी हर विभाग के विकास कार्य को धरातल पर देखना चाहते हैं। विभागों की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब बेईमान-भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सरकार में कोई जगह नहीं है।

इनको तत्काल वीआरएस देकर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। शासन ने सभी विभागों को 50 वर्ष की आयु पूरी कर चुके कार्मिकों के संदर्भ में अनिवार्य सेवानिवृत्ति के लिए स्क्रीनिंग की कार्यवाही 31 जुलाई तक हर हाल में पूर करने का निर्देश दिया है। कार्मिकों की 50 वर्ष आयु के निर्धारण के लिए कट आफ डेट 31 मार्च 2022 होगी। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने इस बारे में सभी विभागों को शासनादेश जारी कर दिया है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव को निर्देश दिया है कि वे 50 वर्ष पार कर चुके कार्मिकों के संदर्भ में स्क्रीनिंग की कार्यवाही कराकर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किये गए कार्मिकों की सूचना निर्धारित प्रारूप पर अपने हस्ताक्षर से कार्मिक विभाग को 15 अगस्त तक उपलब्ध करा दें।

# यूपी चुनाव में बीजेपी विधायकों ने खर्च किए सबसे ज्यादा रुपए, बसपा सबसे कम

- » यूपी के एक भी विधायक ने पार नहीं की चुनावी खर्च की सीमा
- » एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा, चुनावी खर्च की सीमा का नहीं किया उल्लंघन
- » बसपा विधायक ने महज नौ लाख खर्च कर जीत लिया चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रदेश के किसी भी नवनिर्वाचित विधायक ने चुनावी खर्च की 40 लाख रुपये की सीमा का उल्लंघन नहीं किया है। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने चुनावी खर्च पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। प्रदेश के 403 विधायकों में से 393 विधायकों के चुनाव खर्च का विश्लेषण एडीआर ने किया है। रिपोर्ट के अनुसार 222 (56 प्रतिशत) विधायकों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव खर्च की सीमा से 50 प्रतिशत कम खर्च किया है।

उत्तर प्रदेश के 393 विधायकों ने औसतन 18.88 लाख रुपये खर्च किए हैं। पार्टीवार चुनावी खर्च के औसत से पता चलता है कि भाजपा के 247 विधायकों का औसत खर्च 21 लाख रुपए से ज्यादा का है, जो अधिकतम खर्च की सीमा का करीब पचास फीसदी है। सपा के 109 विधायकों का औसत चुनावी खर्च 14.88 लाख रुपये है। यह चुनावी खर्च की सीमा का 37 प्रतिशत है। कांग्रेस के दो विधायकों का औसत चुनावी खर्च 22.66 लाख रुपये रहा है। सबसे कम रुपए बसपा ने खर्च किए। बसपा के एक मात्र विधायक ने महज नौ लाख रुपये खर्च किए हैं।

## 387 विधायकों ने की घोषणा

एडीआर के अनुसार लगभग 387 विधायकों ने घोषणा की है कि उन्होंने प्रचार वाहनों पर धनराशि खर्च की है जबकि छह विधायकों ने बताया कि उन्होंने प्रचार वाहनों पर पैसा खर्च नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 254 विधायकों ने घोषणा की है कि उन्होंने इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचार पर धन खर्च किया है। 139 विधायकों ने इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया के जरिए प्रचार में कोई धनराशि खर्च नहीं की है।

## भाजपा का औसत करीब 52.7 प्रतिशत

अब अगर यूपी में पार्टी अनुसार एडीआर रिपोर्ट को देखते हैं तो भाजपा के 247 विधायकों का औसत खर्च 21.08 लाख रुपए है। यह अधिकतम खर्च की सीमा का करीब 52.7 प्रतिशत है। सपा के 109 विधायकों का औसत चुनावी खर्च 14.88 लाख रुपए है। यह चुनावी खर्च की सीमा का 37.2 प्रतिशत है। कांग्रेस के दो विधायकों का औसत चुनावी खर्च 22.66 लाख रुपए रहा है। बसपा के एक मात्र विधायक ने 9.43 लाख रुपए खर्च किए हैं।

## इन तीनों विधायकों ने किया सबसे अधिक खर्च

जय कुमार सिंह जैकी, बिंदकी अपना दल(एस)-35.99 लाख
रमेश-शाहगंज, निषाद पार्टी-35.97 लाख
सुशील सिंह, सैयदराजा भाजपा- 35.78 लाख

## इन तीन विधायकों ने किया सबसे कम खर्च

हिमांशु यादव, शेखूपुर सपा-1.02 लाख
तसलीम अहमद, नजीबाबाद सपा-1.76 लाख
नादिरा सुल्तान, पटियाली सपा-3.82 लाख

# सपा के यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी में भाजपा

## निरहुआ मॉडल से यादवों पर फोकस करेगी पार्टी, आजमगढ़ की जीत ने बढ़ाया उत्साह

- » हारी 14 लोक सभा सीटों पर भाजपा नेतृत्व का विशेष ध्यान, यादव गढ़ों पर रख रहे नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से दोबार सत्ता में लौटी भाजपा की नजर अब लोक सभा चुनाव पर टिक गयी है। सपा का गढ़ मानी जाने वाली आजमगढ़ लोक सभा सीट पर उपचुनाव में मिली जीत से भाजपा न केवल उत्साहित है बल्कि निरहुआ मॉडल के जरिए पार्टी नेता सपा के यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी में जुट गए हैं। भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ आजमगढ़ में यादव मतदाताओं को लुभाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। ऐसे में यूपी में भाजपा बड़ी संख्या में यादव मतदाताओं को आकर्षित करने और पार्टी से जोड़ने की योजना पर काम शुरू कर चुकी है।

भाजपा नेतृत्व का मानना है कि सपा की राजनीति से यूपी में यादव समाज खफा है। सपा अल्पसंख्यक वोटों पर विशेष जोर दे रही है और यह इस समुदाय को पसंद नहीं आ रहा है। ऐसे में इनके बीच भाजपा की मौजूदगी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उपचुनाव में जीत के बाद सीएम योगी ने भी ऐलान किया था कि भाजपा अब 2024 के लोक सभा चुनाव में यूपी की सभी लोक सभा सीटें जीतेगी। इसी लक्ष्य को लेकर भाजपा यादव समुदाय को भी रिझाने में जुट गयी है। भाजपा ने उन 14 लोक सभा सीटों पर काम करने के लिए केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, अश्विनी वैष्णव, जितेंद्र सिंह और अन्नपूर्णा देवी को मिलाकर एक टीम बनाई है, जिन्हें 2019 में नहीं जीत सकी। अन्नपूर्णा देवी यादव समुदाय से हैं और उनसे यादवों के गढ़ों पर नजर रखने के लिए कहा गया है। पार्टी वर्तमान में 2019 में हारने वाली सीटों पर विशेष ध्यान देने के साथ पूरे राज्य में बूथ मजबूत करने का कार्यक्रम चला रही है। हरनाथ सिंह यादव मैनपुरी लोक सभा सीट के संयोजक हैं जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम मैनपुरी में बी श्रेणी के सभी बूथों को ए श्रेणी में बदलने पर काम कर रहे हैं।

## यादव मतदाताओं की बढ़ रही संख्या

भाजपा ने पिछले लोक सभा चुनाव में पार्टी को मिले वोटों के प्रतिशत के हिसाब से मतदान केंद्रों को ए, बी, सी और डी कैटेगरी में बांटा है। ए श्रेणी के बूथ वे हैं जहां भाजपा को 90 फीसदी वोट मिले हैं जबकि बी श्रेणी में पार्टी को 50-60 फीसदी वोट मिले हैं। मैनपुरी लोक सभा के हिस्से जसवंत नगर विधान सभा का उदाहरण देते हुए हरनाथ सिंह यादव ने कहा, 2019 में पहली बार हमें 14 बूथों को छोड़कर सभी यादव समुदाय के बूथों पर अपना बूथ प्रतिनिधि मिला। 2014 में हमें इसमें से 25,000 वोट मिले जो 2019 में बढ़कर 78,000 हो गया।

## बिना भेदभाव दे रहे योजनाओं का लाभ

भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी और योगी सरकार का मॉडल गरीबों और दलितों के लिए बिना किसी पूर्वाग्रह व भ्रष्टाचार के काम कर रहा है। हम इन लोगों की पहचान कर रहे हैं और सरकार की ओर से किए गए कार्यों को उजागर कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# पौधरोपण अभियान की जमीनी हकीकत

> इस बार यूपी में 35 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह पिछले साल की अपेक्षा अधिक है। गत वर्ष प्रदेश में 30 करोड़ पौधों का रोपण किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के वन क्षेत्र में वृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देना है। सरकार ने इन पौधों के संरक्षण का भी आदेश दिया है बावजूद इसके हर साल लाखों पौधे सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं।

*प्रदेश में हर साल की तरह इस बार भी वृहद पौधरोपण अभियान की शुरुआत की गयी है। इस बार यूपी में 35 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह पिछले साल की अपेक्षा अधिक है। गत वर्ष प्रदेश में 30 करोड़ पौधों का रोपण किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के वन क्षेत्र में वृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देना है। सरकार ने इन पौधों के संरक्षण का भी आदेश दिया है बावजूद इसके हर साल लाखों पौधे सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। सवाल यह है कि सरकार के आदेश के बावजूद पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित क्यों नहीं की जाती है? प्रदेश में पौधरोपण अभियान केवल खानापूर्ति बनकर क्यों रह जाता है? लाखों पौधों के नष्ट होने का जिम्मेदार कौन है? क्या अधिकारियों की लापरवाही के कारण हालात बदतर हुए हैं? आखिर हर साल करोड़ों पौधों के रोपण के बाद भी प्रदेश पूरी तरह हरा-भरा क्यों नहीं दिखता है? क्या ऐसे ही पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सकता है? क्या पौधों की सुरक्षा के लिए सरकार को नयी रणनीति बनाने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है?*

*प्रदेश में पूरे तामझाम के साथ सरकारी मशीनरी इस बार भी वृहद पौधरोपण अभियान चला रही है। इस बार रिकॉर्ड 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। तमाम विभाग पौधरोपण के काम में जुटे हुए हैं लेकिन अभियान के खत्म होने के बाद रोपे गए पौधों की सुध शायद ही ली जाती है। देखरेख के अभाव में लाखों पौधे हर साल सूख जाते हैं या मवेशी उनको खा जाते हैं। सड़कों के किनारे बिना ट्री-गार्ड के लगाए जाने वाले पौधे मवेशियों का चारा बन जाते हैं। इनकी नियमित देखभाल तक नहीं की जाती है। हालांकि सरकार ने पौधों के संरक्षण का आदेश जारी कर रखा है लेकिन यह केवल कागजों तक सिमट गया है। यही वजह है कि साल-दर-साल करोड़ों पौधों को लगाने के बाद भी प्रदेश हरा-भरा नहीं दिख रहा है। यही नहीं इसका वन क्षेत्र भी बेहद धीमी गति से बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में पर्यावरण संरक्षण की सरकार की मंशा शायद ही कभी जमीन पर उतर सके। सरकार को चाहिए कि वह पौधों के रोपण के साथ इसके देखरेख की जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय करे। साथ ही अगले पौधरोपण से पहले इसकी समीक्षा करे ताकि पता चल सके कि पौधरोपण अभियान जमीन पर उतर रहा है या नहीं। इसके अलावा उसे इस अभियान में आम आदमी को अधिक से अधिक सहभागी बनाना चाहिए ताकि वे निजी तौर पर पौधों को लगाने और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभा सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो यह अभियान केवल खानापूर्ति ही साबित होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# उद्धव ठाकरे की वापसी आसान नहीं

नीरजा चौधरी

महाराष्ट्र में कई दिनों से जारी राजनीतिक हलचल अब नये चरण में प्रवेश कर गयी है। भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे को विधान सभा अध्यक्ष ने शिव सेना विधायक दल के नेता के रूप में मान्यता दे दी है और उन्हें विश्वास मत भी मिल गया है। अब सवाल यह उठता है कि क्या शिव सेना पर उद्धव ठाकरे का नियंत्रण समाप्त हो चुका है या हो जायेगा? इस संबंध में कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि विधान सभा में शिंदे के खेमे में पार्टी के अधिकतर विधायक हैं। जहां तक किसी एक विधायक या विधायक समूह की सदस्यता का मामला है तो उसका अंतिम निर्णय तो अदालत में होगा पर अभी यह स्थिति है कि पार्टी में औपचारिक टूट नहीं हुई है। विधान सभा से बाहर शिव सेना का संगठन किसके पक्ष में जायेगा, यह जानने के लिए हमें कुछ इंतजार करना होगा।

बहुत अधिक विधायक होने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस का उपमुख्यमंत्री बनने का मामला भी शिव सेना की आंतरिक हलचलों से जुड़ा हुआ है। योजना में बदलाव इसलिए हुआ कि शिव सेना समर्थकों में उद्धव ठाकरे के प्रति सहानुभूति बढ़ती जा रही थी और लोग शिंदे गुट से इस बात पर नाराज होने लगे थे कि वे अपनी ही सरकार गिरा कर भाजपा की सरकार बनाने में मददगार हो रहे हैं। महाराष्ट्र में कई लोग इस बात से चिंतित थे कि खुद बालासाहेब ठाकरे की सरपरस्ती में पले-बढ़े शिंदे सेना की कीमत पर भाजपा को मजबूत बना रहे हैं। भाजपा नेतृत्व को जैसे ही ऐसी भावनाओं का अहसास हुआ, उसने अपनी योजना बदल दी और शिंदे मुख्यमंत्री बना दिये गये। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इतने बड़े झटके के बाद उद्धव ठाकरे की वापसी आसान नहीं होगी। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि बालासाहेब ठाकरे के पुत्र के खिलाफ एकनाथ शिंदे की अगुवआई में हुए विद्रोह पर शिव सैनिकों और पार्टी के समर्थकों की प्रतिक्रिया क्या होगी। यह सवाल भी है कि क्या शिव सेना बिना किसी ठाकरे के नेतृत्व के शिव सेना बनी रह सकेगी। बाल ठाकरे द्वारा 1966 में स्थापना के बाद से ही इस पार्टी की पहचान मराठी उपराष्ट्रवाद मराठी माणूस पर आधारित रही है।

फिर इसने अपनी छवि हिंदुत्व समर्थक की बनायी और बाल ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि 1992 में शिव सैनिकों ने ही बाबरी मस्जिद गिरायी थी। फिर भी सच यह

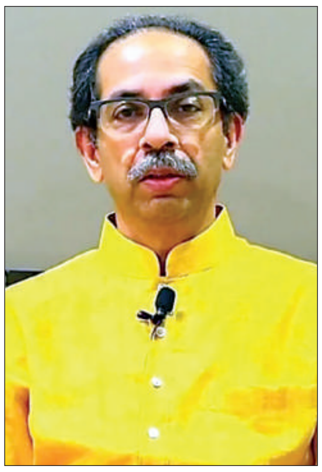

है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर हिंदुत्व के मामले में भाजपा से पीछे होती गयी, विशेषकर 2014 के बाद से हिंदुत्व पार्टी के रूप में इसकी पहचान कमजोर हुई है। शिव सेना की कीमत पर भाजपा महाराष्ट्र में मजबूत हुई है। दोनों पार्टियों का तीन दशक पुराना गठबंधन 2019 के विधान सभा चुनाव के बाद इस पर टूट गया कि नेतृत्व कौन करेगा। इसका नतीजा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ बने महा विकास अगाड़ी के रूप में सामने आया। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद लेने के लिए मनाया जो पार्टी की पूर्ववर्ती परंपरा से अलग था। उद्धव के पिता ने अनेक मुख्यमंत्री बनाये, पर खुद कभी पद नहीं लिया और वे हमेशा सरकार से ऊपर बने रहे। पहले भी छगन भुजबल, नारायण राणे, राज ठाकरे जैसे अनेक लोकप्रिय नेताओं ने शिव सेना छोड़ी है, पर इससे पार्टी पर खास असर नहीं हुआ, लेकिन शिंदे ने वह कर दिखाया, जो पहले कोई नहीं कर सका था। वे अपने साथ 40 सेना विधायकों को ले गये जबकि उद्धव ठाकरे के पास 15 विधायक ही बचे। चाहे भय कारण रहा हो या समर्पण, शिंदे ने यह दिखा दिया है कि विधान सभा में पार्टी के अधिकतर विधायक उनके साथ हैं, पर अभी यह देखा जाना बाकी है कि क्या पार्टी संगठन का झुकाव भी इसी तरह शिंदे के पक्ष में होगा। क्या सेना के काडर तथा शाखाओं और विभागों के नेता स्थानीय विधायकों के साथ खड़े होंगे या फिर वे सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का साथ देंगे? विधायक अगले दो साल तक तो उनकी मदद कर देंगे, पर उसके बाद क्या होगा? आगामी सप्ताहों और महीनों में यह पता चल सकेगा कि सेना किस हद तक ठाकरे नेतृत्व से जुड़ी हुई है। इसकी पहली परीक्षा बृहनमुंबई नगर निगम के चुनाव में होगी, जहां अभी सेना का नियंत्रण है, पर भाजपा भी अपना विस्तार कर रही है।

शिव सैनिकों और समर्थकों में भले ही ठाकरे के लिए सहानुभूति हो और उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री अपने आखिरी फैसले में नरम हिंदुत्ववादी रुख अपनाते हुए तीन हवाई अड्डों का नाम बदला हो, बीते तीन साल में उदारवादियों और मुस्लिम समुदाय से उन्हें नये समर्थक भी मिले हैं। कोविड महामारी का प्रभावी सामना करने के लिए उनकी प्रशंसा भी हुई है, लेकिन इन भावनाओं को अपने पक्ष में भुनाने के लिए उनका शिव सेना के समूचे संगठन पर नियंत्रण होना जरूरी है। उद्धव ने पार्टी की दूसरी पंक्ति के अधिकतर नेताओं को खो दिया है। अगर वे यह दिखाना चाहते हैं कि असली शिव सेना कौन है, तो उन्हें आने वाले समय में नेतृत्व एवं प्रबंध कौशल का प्रदर्शन करना होगा।

# कई देशों में मंदी के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के बाद पूरे विश्व में, विशेष रूप से विकसित देशों में लगातार तेजी से बढ़ रही मुद्रा स्फीति (महंगाई) को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते अब इन देशों में आर्थिक मंदी आने की संभावना व्यक्त की जाने लगी है। आर्थिक मंदी से तात्पर्य वस्तुओं के महंगे होते जाने से इनकी मांग में कमी होना एवं आर्थिक विकास की दर का स्थिर हो जाना अथवा कुछ समय के लिए इसके ऋणात्मक हो जाने से है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं मानी जा सकती है क्योंकि आर्थिक चक्र के रुक जाने से वस्तुओं का उत्पादन कम होने लगता है और रोजगार के अवसर भी कम होने लगते हैं जिससे बेरोजगारी की समस्या और भी गम्भीर होने लगती है। आर्थिक गतिविधियों के कम हो जाने से सरकारों की आय में कमी होने लगती है एवं सरकारों को अपने तंत्र को चलाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक विकसित देश में आर्थिक मंदी यदि लम्बे समय तक चले तो यह छुआछूत की बीमारी की तरह इस देश के साथ विदेशी व्यापार करने वाले अन्य देशों के माध्यम से पूरे विश्व को भी अपनी चपेट में ले सकती है।

कुछ देशों में आर्थिक मंदी की गंभीर शंका व्यक्त की जा रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियों में सुधार देखा जा रहा है। यह केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों (विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, आदि) द्वारा लिए जा रहे आर्थिक निर्णयों के चलते एवं विभिन्न स्तरों पर सरकारों द्वारा बुनियादी ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से लगातार बढ़ाए जा रहे पूंजीगत व्यय तथा सामाजिक सेवाओं में लगातार किए जा रहे सुधार के कारण संभव हो रहा है। बीते 8 वर्षों में केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। इन 8 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा विकास और सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों पर लगभग 100 लाख करोड़ खर्च किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2021-22 के बीच केंद्र सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 26 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय किया गया है। भोजन, उर्वरक और ईंधन सब्सिडी के लिए 25 लाख करोड़ और सामाजिक सेवाओं पर 10 लाख करोड़ खर्च किए गए हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की गई है जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 6.6 प्रतिशत की रही थी। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों यथा कृषि, उद्योग एवं सेवा में कोरोना महामारी के बाद से लगातार सुधार दृष्टिगोचर है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2021-22 में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह ऋणात्मक 0.6 प्रतिशत रही थी। इसी प्रकार खनन के क्षेत्र में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में ऋणात्मक 8.6 प्रतिशत रही थी। देश के प्रमुख 8 कोर उद्योगों की वृद्धि में जबरदस्त उछाल आया है। कोर क्षेत्र में अप्रेल 2022 के 9.3 प्रतिशत की तुलना में मई 2022 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।जबकि मार्च 2022 में यह वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत की रही थी। वाणिज्य और उद्योग विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई 2022 माह में कोयला उद्योग में 25.1 प्रतिशत (अप्रैल 2022 माह में 28.8 प्रतिशत), उर्वरक उद्योग में 22.8 प्रतिशत (8.7 प्रतिशत), सीमेंट उद्योग में 26.3 प्रतिशत (8 प्रतिशत), बिजली क्षेत्र में 22 प्रतिशत (10.7 प्रतिशत), रिफाइनरी क्षेत्र के उत्पादन में 16.7 प्रतिशत (9.2 प्रतिशत), प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 7 प्रतिशत और स्टील उत्पादन में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत में अब केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों का ध्यान रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने की ओर है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनोमी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 माह में देश में 88 लाख लोगों को रोजगार मिला है। यह कोरोना महामारी के बाद से किसी भी एक माह में सर्वाधिक नौकरियों की संख्या है। इससे देश में कुल श्रम शक्ति बढ़कर 43.72 करोड़ हो गई है। उद्योग जगत के अंदर विनिर्माण क्षेत्र में 30 लाख नए रोजगार सृजित हुए जबकि कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में लगभग 40 लाख नए रोजगार प्राप्त हुए।

इसी प्रकार आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23 में रोजगार के ढेरों अवसर निर्मित होने वाले हैं। केवल दो कम्पनियों टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज और इंफोसिस ने 90,000 इंजीनियरों की भर्ती करने की योजना बनाई है। इसी प्रकार, अन्य कम्पनियों द्वारा भी भारी मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित किए जा रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार भारत में वर्ष 2030 तक गिग अर्थव्यवस्था में 2.35 करोड़ लोगों को रोजगार मिलने की सम्भावना है जबकि वित्तीय वर्ष 2020 में 68 लाख व्यक्ति इस क्षेत्र में कार्यरत थे। विभिन्न सरकारी संस्थानों में भी खाली पड़े पदों को भरने का कार्य जोरशोर से शुरू किया जा रहा है एवं लगभग 10 लाख नई भर्तियां शीघ्र ही की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत 14 क्षेत्रों में 2.34 लाख करोड़ रुपए के निवेश के नए प्रस्ताव मिले हैं। विभिन्न देशों के साथ मुक्तव्यापार समझौते किए जा रहे हैं जिससे इन देशों को भारत से निर्यात बढ़ेंगे और भारत में ही उत्पादन की गतिविधियां बढ़ेंगी। कुल मिलाकर भारत की अर्थव्यवस्था लगातार सुदृढ़ हो रही है।

## इन तरीकों की मदद से खुशी-खुशी

# स्कूल जायेंगे बच्चे

बच्चों के स्कूल में गर्मी की छुट्टियां खत्म हो चुकी हैं और स्कूल शुरू हो चुके हैं। ऐसे में लगभग महीने भर की मौज-मस्ती के बाद कई बच्चे स्कूल न जाने की जिद करने लगे हैं। खासकर छोटे बच्चे अक्सर स्कूल न जाने के बहाने ढूंढते नज़र आते हैं। अगर आपका बच्चा भी स्कूल जाने में आनाकानी करता है तो पैरेंट्स कुछ तरीकों की मदद से उन्हें खुशी-खुशी स्कूल भेज सकते हैं। दरअसल, शांत स्वभाव के बच्चों को अमूमन स्कूल भेजने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ती है। वहीं कुछ बच्चे स्कूल जाने के नाम पर रोना-धोना शुरू कर देते हैं और तबीयत ठीक न होने का बहाना बनाने लगते हैं। पैरेंट्स भी बच्चों की जिद के आगे झुककर उन्हें स्कूल न जाने की परमिशन दे देते हैं। आप बच्चों को स्कूल जाने के लिए राजी करवाना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स इस काम में आपकी मदद कर सकते हैं।

### कारण का पता लगाएं

अगर आपका बच्चा स्कूल जाने से डरता है, तो सबसे पहले उसके डर का कारण पता करें। बता दें कि कुछ बच्चे टीचर या दूसरे ग्रुप के बच्चों से डर कर स्कूल जाने से इंकार कर देते हैं। वहीं, कुछ बच्चे दोस्तों के मजाक और कम आत्मविश्वास के चलते स्कूल नहीं जाते हैं। ऐसे में बच्चे से जानने की कोशिश करें कि उसे स्कूल जाना क्यों पसंद नहीं है।

### बच्चों को फोर्स न करें

बच्चों को स्कूल जाने के लिए फोर्स बिल्कुल न करें। इससे उनमें डर बढ़ सकता है। ऐसे में बच्चों पर दबाव बनाने की बजाय उनके डर को दूर करने की कोशिश करें। साथ ही उन्हें स्कूल की अहमियत बताएं और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास करें।

### बच्चों से करें दोस्ती

स्कूल के प्रति बच्चों की दिलचस्पी बढ़ाने के लिए उन्हें पैरेंट्स नहीं बल्कि दोस्त बनकर समझाएं। इससे बच्चे अपनी प्रॉब्लम आसानी से आपके साथ शेयर कर सकेंगे। वहीं, बच्चों को रोज स्कूल छोड़ने और लाने के लिए खुद जाएं। इस दौरान बच्चों से उनकी दिन भर की एक्टिविटीज के बारे में पूछना न भूलें।

### समझने का प्रयास करें

स्कूल न जाने की वजह का पता लगाने के बाद बच्चों को समझाने की बजाय पहले खुद बच्चों की परिस्थिति को अच्छे से समझने की कोशिश करें। ऐसा करने से आप बच्चों की प्रॉब्लम से अच्छी तरह डील कर पाएंगे और बच्चे भी आपकी बात को समझेंगे।

### डरते हैं बच्चे

कुछ बच्चों को स्कूल जाने से डर लगता है, जिसकी वजह से वे स्कूल जाने से बचते नजर आते हैं। ऐसे में उन्हें जबरदस्ती डांट-फटकार कर स्कूल भेजने से बच्चे गुस्सैल और चिड़चिड़े स्वभाव के हो जाते हैं, इसलिए उनके साथ जबरदस्ती करने की बजाय उनके स्कूल न जाने की असली वजह का पता लगाने की कोशिश करें।

## हंसना मना है

12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई, कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी: 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था' पति: 'वो तो अभी भी हैज' पत्नी खुश होकर 'सच' पति 'हां, पहले 300 रुकी थीं, अब 2 Litre की है!!!'

रमेश (नौकर से): जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर : बाहर तो अंधेरा है। संता : अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी : सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं. पति कौन से तौलिये? पत्नी : अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

सास : जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई : सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा. सास : छिपकली क्यूं? जमाई : क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

पति : सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी : मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

## कहानी | होशियार तोता

जंगल में एक तोता रहता था। वह बहुत सुन्दर था। उसकी चोच और पंख बहुत ज्यादा सुन्दर थे। उस तोते के साथ उसका छोटा भाई भी रहता था। वह दोनों जंगल में खुशी-खुशी रहते थे। एक दिन एक शिकारी जंगल में आया। उसने तोते की इस जोड़ी को देखा और सोचा, यह तोते बहुत सुन्दर और खास है। में इन तोतो को राजा को भेट करूंगा। उस शिकारी ने जंगल में अपना जाल बिछाया ताकि वह दोनों तोतो को पकड़ सके। जल्द ही दोनों तोते उस शिकारी की जाल में फस गए। उसने तोतों को अपने पिंजरे में रखा और अपने घर वापस चला गया। उस शिकारी ने राजा से कहा, ओह राजा! देखिये तोतो की इस सुन्दर जोड़ी को। मैंने इन्हें घने जंगल से पकड़ा है। इनकी सुन्दरता देखकर सोचा कि मैं इन्हें आपको भेट स्वरुप दू। यह आपके महल की खूबसूरती में चार चाँद लगा देंगा। यह सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने शिकारी को हजार सिक्के इनाम में दिए। उस राजा ने दोनों तोतो को सोने के पिंजरे में रखा और आपने सेवको को उनकी देखभाल करने का आदेश दिया। तोतो की बहोत अच्छे से देखभाल की जाती थी। उन्हें महल में बहुत महत्वपूर्ण पक्षियों की तरह रखा गया। उन्हें खाने में फल और स्वादिस्ट खाना दिया जाता था। सबकी नजर महल के तोतो पर रहती थी। बल्कि राजकुमार भी उस तोतो के साथ केलाने आता था। तोते बहोत खुस थे। उन्हें सब कुछ बिना महेनत से मिल रहा था। बड़े तोते ने अपने भाई से कहा, 'हमें इस राजमहल में काफी इज्जत मिली है। इसलिए में पूरी तरह संतुष्ट हूं।' छोटे भाई ने जवाब दिया , 'तुम सही कह रहे हो । हमें एकदम राजसी सेवा मिल रही है ।यह हमारी किस्मत है।' एक दिन शिकारी कला बन्दर लेकर आया और उसने उसका नाम काला बहु रखा। वह बन्दर राजा को भेट किया गया। रजा ने आपने सेवको को बंदर को आंगन में रखने के लिए कहा। रजा और उनका बीटा यानी छोटा राजकुमार बंदर की हरकतें देखकर बहुत खुश और हैरान हुआ करते थे। जल्द ही बंदर ने सभी को आपनी और आकर्षित कर लिया था। बंदर से आने से तोतो पर अब कोई ध्यान नहीं देता था। कभी-कभी तो उन्हें खाना भी कोई देता ही नहीं था। यानी उनपे किसी का ध्यान ही नहीं था। दोनों तोतो को इसका कारन पता था। बड़ा तोता होशियार था और उसे उम्मीद थी की जल्दी उनके दिन बदलेंगे इसलिए इन्हें उदास नहीं होना चाहिए । उसने आपने भाई को सांत्वना दी, 'इस दुनिया में कोई चीज हम्मेसा के लिए नहीं होती। जब तक हमारे बुरे दिन क्खातं नहीं होते तब तक धीरज रखो।'एक दिन बंदर राजकुमार के आगे कुछ पेश कर रहा था और उससे राजकुमार डर गया और वो चिल्लाया, 'मेरी मदद करो, 'मेरी मदद करो।'राजकुमार की आवाज सुनकर सभी उसके पास आ गए और वहा से राजकुमार को ले गए। जब राजा को इसका पता चला तो उसने अपने सेवको को आदेश दिया की वह बंदर को जंगल में छोड़ आये। तुरंत ही सैनिको बंदर को पकड़कर जंगल में छोड़ आए। अब तोतो के बुरे दिन खत्म हो गए थे। उनकी फिर से खातिरदारी होने लगी। उनके लिए अच्छे और स्वादिस्ट पकवान बनाये जाते थे।

## 5 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर है। अपनी योजनाओं दूसरों साझा न करें वरना दूसरे इसका गलत फायदा उठा सकते हैं।

**तुला**

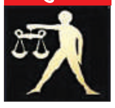

भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें।गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

**वृषभ**

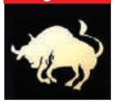

घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी कामयाबी की फेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे।

**वृश्चिक**

आज का दिन शानदार रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स आज किसी नयी संस्था में एडमीशन लेने के कोई भी परेशानी नही हो सकती है।

**मिथुन**

आज का दिन महत्पूर्ण रहने वाला है। कारोबार से रिलेटेड आज कोई जरुरी काम पूरा हो सकता है. किसी नये काम को शुरू करना आपके लिये फायदेमंद रहेगा।

**धनु**

आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान होगा।

**कर्क**

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की जरूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट निराशावादिता को जन्म दे सकती है।

**मकर**

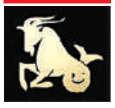

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अचानक से किसी बात पर आपका मूड खराब हो सकता है और जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है।

**सिंह**

दिन कुछ खट्टा-मीठा रहने वाला है. आज पिता के बताये हुए मार्ग पर चलेंगे तो सफलता जरुर हासिल होगी। किसी पुरानी बात को लेकर परेशान होने के बजाय आगे बढ़ने की कोशिश करें।

**कुम्भ**

बेचैनी की कसमसाहट आपको परेशान कर सकती है। इससे बचने के लिए टहलने निकलें और ताजा हवा में गहरी साँसें लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार रहेगी।

**कन्या**

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। मस्तिष्क जीवन का द्वार है, क्योंकि अच्छा-बुरा सब-कुछ इसी के माध्यम से आता है।

**मीन**

आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जो छात्र मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं उनके लिये आज का दिन बढ़िया है। किसी बड़े डाक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

# सिनेमा के जरिये ही समाज के लिए काम कर रहा हूं : अक्षय

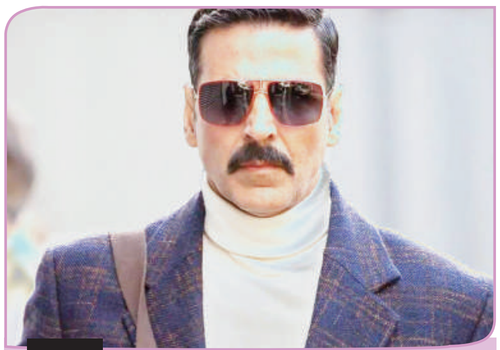

अक्षय कुमार अपनी फिल्मों और एक्टिंग को लेकर अक्सर ही चर्चा में रहते हैं। फिटनेस फ्रीक अक्षय कुमार फैंस को एंटरटेन करने के साथ उन्हें हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए भी इंस्पायर करते हैं। लेकिन अब अक्षय पॉलिटिक्स ज्वॉइन करने को लेकर सुर्खियों में हैं। सवाल है कि क्या अब खिलाड़ी कुमार पॉलिटिक्स का हिस्सा बनेंगे या नहीं? खुद एक्टर ने ही इसका खुलासा कर दिया है। पॉलिटिक्स ज्वॉइन करने को लेकर अक्षय कुमार का नाम पहले भी सुर्खियों में रह चुका है और अब एक बार फिर इस बात को लेकर चर्चा जोरों पर है। दरअसल, हाल ही में लंदन के पॉल मॉल में इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स में आयोजित Hindujas and Bollywood के बुक लॉन्च पर एक्टर से पॉलिटिक्स ज्वॉइन करने को लेकर सवाल किया गया। इस पर खिलाड़ी कुमार ने जवाब दिया कि वो सिनेमा के जरिए ही समाज के लिए काम करने की कोशिश करते हैं। राजनीति ज्वॉइन करने पर अक्षय ने आगे कहा- मैं फिल्में बनाकर काफी खुश हूं। एक एक्टर के तौर पर मैं सोशल इश्यूज को फिल्मों में उठाने की हर संभव कोशिश करता हूं। मैंने 150 फिल्मों को प्रोड्यूस किया है। लेकिन जो मेरे दिल के सबसे करीब है वो रक्षा बंधन है। अक्षय कुमार ने आगे कहा- मैं कमर्शियल फिल्में प्रोड्यूसर करता हूं, कभी कुछ ऐसी भी, जो सोशल इश्यूज से जुड़ी होती हैं। अक्षय ने आगे बताया कि वो साल में करीब 3-4 फिल्में प्रोड्यूस करते हैं। अक्षय कुमार की बात करें तो उन्होंने फिल्म सौदागर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। तब से अब तक अक्षय का स्टारडम बरकरार है। अक्षय अब जल्द ही फिल्म रक्षा बंधन में नजर आने वाले हैं। उनकी ये फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। अब देखते हैं अक्षय की इस फिल्म को दर्शकों का कैसा रिस्पॉन्स मिलता है।

# 'डार्लिंग' आलिया ने दिखाया अपना बिच्छू अवतार, लवर को मारा डंक

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म डार्लिंग्स की घोषणा की थी, जिसका अब टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर में आलिया सस्पेंस से भरे बेहद ही खतरनाक रोल में नजर आ रही हैं। डार्लिंग्स के इस टीजर में आलिया के साथ शेफाली शाह, रोशन मैथ्यू और विजय वर्मा भी दिख रहे हैं। डार्लिंग्स में आलिया एक ऐसे किरदार में नजर आ रही हैं, जिसे देखकर समझ पाना मुश्किल है कि वे फिल्म की हीरोइन हैं या विलेन। खैर जो भी हो आलिया का यह थ्रीलिंग अवतार फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ा देने वाला है।

टीजर की बात करें आलिया और विजय एक कपल की तरह नजर आ रहे हैं। विजय आलिया के पीछे- पीछे भाग रहे हैं तो वहीं, आलिया उनपर गुस्सा निकालते हुए दिख रही हैं। टीजर में आलिया बिच्छू और मेंढक की दोस्ती की एक खतरनाक कहानी सुनाती हुई दिख रही हैं, जिसके साथ ही साथ वे फिल्म की कहानी से भी कुछ रूबरू करा रही हैं। टीजर में पुलिस स्टेशन का भी एक सीन शामिल किया गया है, जहां आलिया का किरदार नेगेटिव होने की भी गुंजाइश दिखाई गई है। फिल्म में शेफाली, आलिया के मां के रोल में हैं। टीजर से डार्लिंग्स मर्डर मिस्ट्री लग रही है, अब फिल्म रिलीज के साथ ही पता चलेगा कि किसका कत्ल हुआ है और मुजरिम कौन है।

डार्लिंग्स अभिनेत्री आलिया भट्ट के होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म है, जिससे अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज प्रोड्यूस कर रही है। फिल्म से आलिया भट्ट, गौरी खान और गौरव वर्मा बतौर को-प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं। वहीं, फिल्म की कहानी जसमीत के रीन ने लिखी है। जसमीत ने ही फिल्म के निर्देशन की कमान भी संभाली है। डार्लिंग्स के टीजर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी बताई गई है। फिल्म इस साल 5 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी।

बॉलीवुड | मसाला

## स्वयंवर : मीका दी वोटी में फराह खान ने किया खुलासा

# मैं शादी के पहले साल में ही भाग जाना चाहती थी

मीका सिंह के स्वयंवर का धमाकेदार आगाज हो चुका है। वाइल्डकार्ड एंट्रीज भी हो गई हैं। सभी लड़कियों के साथ सिंगर बारी-बारी से समय बिता रहे हैं। उनको जानने और समझने की कोशिश कर रहे हैं। मीका को सपोर्ट करने के लिए और दुल्हनिया को ढूंढने में इंडस्ट्री से कुछ सेलेब्स भी आ रहे हैं। पहले दिव्यांका त्रिपाठी और रवीना टंडन बतौर गेस्ट आई थीं। अब फिल्ममेकर फराह खान ने एंट्री की है। साथ ही अपनी शादी से जुड़े कई खुलासे किए हैं।

स्टार भारत चैनल पर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे आने वाला शो स्वयंवर : मीका दी वोटी दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। रोज कुछ-न-कुछ स्पेशल चीजें इस शो में देखने को भी मिलती है। दिव्यांका और रवीना टंडन के बाद फराह खान भी सिंगर मीका सिंह की बहन के तौर पर दिखाई देंगी। वह भाई के लिए वोटी तलाशेंगी। उनका टेस्ट लेंगी। हालांकि यह एपिसोड अभी टेलीकास्ट होगा। लेकिन कुछ अंदरूनी बातें सामने आई हैं। शो में

फराह खान ने बताया है कि मीका सिंह बहुत सेंसटिव इंसान हैं। इसलिए उनको कोई सुलझी हुई लड़की ही हैंडल कर पाएगी। मुझे लगता है कि शादी करने के लिए कोई एक स्टैंडर्ड एज नहीं होती है। शादी तभी करनी चाहिए, जब आपको एक सही इंसान मिले। अपना मैरिज एक्सपीरियंस शेयर करते हुए फराह खान ने कहा, मैं अपनी शादी के पहले साल में ही भाग जाना चाहती थी। क्योंकि मेरे लिए एडजस्ट करना बहुत मुश्किल हो रहा था। बता दें कि फराह खान ने शिरीष कुंदर के साथ साल 2004 में शादी की थी। दोनों की उम्र में करीब 8 साल का गैप है। उनकी शादी को अब 18 साल हो गए हैं। उनकी तीन बच्चे भी हैं। इनका नाम जार, आन्या और डीवा है। फिल्ममेकर अपने पति के साथ मैं हूं ना, तीस मार खान, ओम शांति ओम और जान-ए-मन फिल्म में काम कर चुकी हैं।

अजब-गजब | अलग होने के पीछे होता है बड़ा कारण

# कार के टायरों में लगा होता है रबर तो ट्रेन के पहियों में क्यों नहीं ?

कार चाहे किसी भी कंपनी की क्यों ना हो, उसके टायर एक तरह के होते हैं. उनके रिम के ऊपर अमूमन काले रंग का रब चढ़ा रहता है, लेकिन अगर आपने कभी ट्रेन के टायरों को देखा होगा तो जरूर गौर किया होगा कि उनपर किसी भी तरह का रबर (Why cars have rubber tyres but trains dont) नहीं होता, वो सिर्फ लोहे के रिम पर चलते हैं। कार के टायरों के रबर को हटा दें तो अंदर मौजूद गोल धातु वैसा ही दिखता है जैसा ट्रेन का टायर होता है। तो अब सवाल ये उठता है कि आखिर इन दोनों के टायर इतने अलग क्यों होते हैं और अगर ट्रेन के व्हील मेटल के होते हैं तो कार के पहिए रबर के क्यों? कार, बस, ट्रक, ट्रैक्टर, साइकल, मोटरलाइकल, रिक्शा आदि जैसे जितने भी वाहन होते हैं, उन सबके पहियों पर रबर लगा होता है। मगर ट्रेन, या मेट्रो जैसे वाहनों के पहियों पर रबर नहीं होता। ऐसा क्यों होता है? इसका उत्तर विज्ञान के पास है। साइंस एबीसी वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार कई कारकों पर ये निर्भर करता

है कि टायर पर रबर होगा या नहीं। मगर इनमें से सबसे प्रमुख हैं, घर्षण, स्पीड और वो सतह जिसपर गाड़ी चल रही है। ट्रेन बेहद भारी होती है, तेज गति से चलती है और लंबी दूरी तय करती है। ऐसे में उसके पहिए इस तरह के होने चाहिए जो ऊपर बताए गए तीनों प्रमुख कारकों के अनुसार हों। ट्रेन की पटरी और पहिए मेटल से बनाए जाते हैं। पटरी में ना ही कोई छेद होता है ना ही किसी तरह का उभार। इस वजह से जब दोनों की सतह आपस में टकराती है तो फ्रिक्शन बेहद कम हो जाता है। इससे ट्रेन तेज गति से चलती है। गति भी तभी हासिल हो पाती है जब फ्रिक्शन सबसे कम होता है। अब ऐसे में रबर टायर का उपयोग इसलिए ट्रेनों में नहीं हो सकता क्योंकि उसमें फ्रिक्शन ज्यादा होता है। ट्रेनों को अचानक तो रुकना नहीं होता। वो एक ही दिशा में, तेज गति से चलती हैं। इसलिए रबर टायर उपयोग नहीं करते। रबर टायरों में फ्रिक्शन सबसे ज्यादा होता है। अगर उन्हें ट्रेन में लगाया जाए तो इंजन का पूरा जोर टायरों को घुमाने में जाएगा। इससे ट्रेन का वजन भी ज्यादा महेसूस होने लगेगा। ज्यादा फ्रिक्शन से टायरों में आग पकड़ने का भी खतरा बढ़ जाता है। कारों में रबर टायर इसी वजह से लगाए जाते हैं क्योंकि उन्हें सड़कों पर अचानक से रुकना पड़ता है। ट्रैफिक में तो गाड़ी को और भी ज्यादा रुक-रुककर चलाया जाता है। इसके अलावा कार को कई बार हमें उबड़-खाबड़ रस्तों पर भी चलाना पड़ता है। ऐसे में कार संतुलन खो ना दे, इसके लिए रबर लगाए जाते हैं क्योंकि रबर टायर ही ज्यादा फ्रिक्शन और ग्रिप देते हैं।

# कागज को मोड़ने पर क्यों आ जाती है शिकन? ये है पेपर से जुड़ा तथ्य

अगर आपने कभी कागज को फोल्ड किया होगा तो एक बात जरूर गौर की होगी, वो ये कि उसे मोड़ते ही उसमें शिकन पड़ जाती है जो फिर कभी नहीं जाती। यानी कागज अपने पुराने फॉर्म में दोबारा नहीं लौट पाता। वैसे तो कागज को फोल्ड करने की इस विशेषता को हर कोई जानता ही होगा मगर इसका कारण जान पाना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं है। चलिए हम आपको बताते हैं कि कागज के साथ ऐसा क्यों होता है। कागज पर पड़ने वाली क्रीज या शिकन के बारे में जानने से पहले ये जान लीजिए कि कागज को बनाया कैसे जाता है। करीब 5 हजार साल पहले मिस्र के लोग नील नदी के किनारे उगने वाले पौधों से बनता था जिसे पैपायरस के नाम से जाना जाता था। अब तकनीक काफी बदल गई है मगर पेपर को बनाने का मूल तरीका यही है। यानी प्लांट फाइबर को चपटा कर के उसे डाई किया जाता है और सपाट सर्फेस में तब्दील किया जाता है। आमतौर पर बांस, जूट, कॉटन आदि के पेड़ों प्लांट मटीरियल को पीटा जाता है जिससे उसमें से फाइबर बाहर निकल आता है। एक बाद प्लांट मटीरियल को पानी के साथ मिलाया जाता है जो पल्प में बदल जाता है। काफी प्रोसेस के बाद पेपर बनता है। मगर यहां हम आपको पेपर कैसे बनाता है इसके बारे में नहीं, बल्कि पेपर पर शिकन पड़ जाने का कारण बता रहे हैं। इसे समझने से पहले जान लीजिए कि हर वस्तु की इलास्टिक लिमिट होती है और एक प्लास्टिक रीजन होता है। वस्तु की इलास्टिक लिमिट वो लिमिट है जिस तक किसी भी वस्तु को मोड़ा जा सकता है। इस पॉइंट तक मोड़े जाने पर वो वस्तु रिलीज किए जाने के बाद अपने असली आकार में पहुंच जाती है मगर जब आप वस्तु को इसके आगे यानी प्लास्टिक रीजन तक ले जाते हैं तो उसपर पर्मानेंट निशान या शिकन पड़ जाती है और उसके बाद उसे उसके मूल रूप में नहीं पहुंचाया जा सकता। हर वस्तु की इलास्टिक लिमिट अलग होती है। पेपर के मामले में भी ये अलग है। उदाहरण के तौर पर अगर आप पेपर को बेलन की तरह गोल मोड़ दें जिससे उसके बीच में जगह खाली हो तो उसे छोड़े जाने पर वो अपने मूल रूप में पहुंच जाएगा, मगर जब आप उसी पेपर को मोड़कर चपटा कर देंगे तो उसमें शिकन पड़ जाएगी और वो पर्मानेंट होगी।

# सिद्धार्थनगर में बेकाबू कार खाई में गिरी, तीन की मौत, एक जख्मी

» बस्ती मार्ग पर हुआ हादसा, मामले की जांच कर रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी बस्ती मार्ग पर स्थित मलंग बाबा स्थान के पास मंगलवार देर रात बेकाबू कार खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक जख्मी है। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

बांसी-बस्ती मार्ग पर स्थित बांसी कोतवाली इलाके के मलंग बाबा स्थान के पास एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर खाई में गिर गई। हादसा देख मौके पर आसपास के लोग पहुंच गए। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकाला। इसमें तीन लोगों की मौत हो चुकी थी जबकि एक गंभीर रूप से घायल था। पहचान होने के साथ ही घायल को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार हो रहा है। इस संबंध में सीओ सदर प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि कार में पांच लोग सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि एक घायल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है जबकि तीन शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सोनकर के रहने वाले विपिन राजभर, धर्मपाल, विशाल गुप्ता की हादसे में मौत हुई है। अजीत यादव निवासी सोनकर घायल है।

## ट्रकों की टक्कर में दो चालकों की मौत

मेरठ। आज सुबह चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर गांव भलसोना के सामने भीषण सड़क हादसे में दोनों ट्रक चालकों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि गाड़ी में फंसे चालकों को निकालने के लिए भी क्रेन से एक घंटे लगा। इसके बाद भी चालकों को ग्राइंडर से काटकर शव निकाले गए। पुलिस ने बताया कि थाना किठौर के गांव जड़ौदा निवासी वसीम (25) पुत्र खिलाफत ट्रक में रायपुर से रोड़ी लेकर गाजियाबाद जा रहा था। सामने से आ रहे अनीस निवासी तिल बेगमपुर कैंटर में लोहे के पाइप लेकर सिकंद्राबाद से मुजफ्फरनगर जा रहा था। गंग नहर कांवड़ मार्ग पर भलसोना गांव के पास दोनों की आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गाड़ी आपस में घुस गई। दोनों वाहन चालकों की दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को क्रेन की मदद से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी।

### कानपुर में दंपति की हत्या का मामला

## प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने मां-बाप को उतारा था मौत के घाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बर्रा दो में सोमवार देर रात सो रहे बुजुर्ग पति-पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने चंद घंटों में ही दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश किया। वजह जानकर सभी दंग रह गए। बुजुर्ग दंपति की हत्या उनकी गोद ली हुई बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी। युवती की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस की छह टीमें प्रेमी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

महाराजपुर के प्रेमपुर निवासी फील्ड गन फैक्ट्री से सेवानिवृत्त 65 वर्षीय मुन्नालाल उत्तम पत्नी राजदेवी, बेटे विपिन और बेटी आकांक्षा के साथ बर्रा दो स्थित मकान में रहते थे। मुन्नालाल के कोई बेटी नहीं थी इसीलिए उन्होंने अपने भाई रामप्रकाश की बेटी आकांक्षा को गोद लिया था। बेटे विपिन ने बताया कि सोमवार रात बहन ने अनार का जूस निकाला था, जिसे पीने के बाद चक्कर आने लगे। उसके बाद वह सोने चले गए। रात ढाई से तीन बजे के बीच बहन ने उसे जगाकर मां-पिता की हत्या होने की जानकारी दी। पुलिस ने जब आकांक्षा से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गई। आकांक्षा ने बताया कि उसने प्रेमी रोहित उत्तम के साथ मिलकर संपत्ति के लालच में माता-पिता की हत्या की है। भाई की भी हत्या की योजना थी।

## आगरा: फंदे से लटके मिले पति पत्नी और बेटी के शव, सनसनी

» सामूहिक आत्महत्या की आशंका जता रही पुलिस

» आर्थिक तंगी से जूझ रहा था परिवार, कारणों का नहीं चला पता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। थाना सिकंदरा क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 10 में आज सुबह एक परिवार के तीन सदस्यों के शव घर में फंदे पर लटके मिले। पुलिस सामूहिक आत्महत्या की आशंका जता रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आवास विकास कॉलोनी निवासी सोनू, उसकी पत्नी गीता, आठ साल की बेटी सृष्टि और बेटा श्याम घर में रहते थे। मंगलवार रात को सभी सोए थे। बेटा श्याम आज सुबह जगा तो पिता, मां और बहन के शव फंदे पर लटके मिले। शवों को देखकर वह चीखने लगा। आसपास के लोग जुट गए। मृतक दंपति के बेटे ने घटना की जानकारी फोन कर अपने मामा विजय कश्यप को दी। विजय कश्यप ने पुलिस को जानकारी दी। सीओ हरी पर्वत सत्यनारायण का कहना है कि घटना की जानकारी मिली है। इसका कारण पता किया जा रहा है। जांच की जा रही है। गौरतलब है कि आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 10 के रहने वाले सोनू ने 15 साल पहले आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर-12 निवासी गीता से प्यार किया था। इसके बाद दोनों घर से चले गए थे। उन्होंने प्रेम विवाह कर लिया था। सोनू और गीता हरिद्वार में रहते थे। सोनू एक फैक्टरी में काम करता था लेकिन छह साल पहले उसका एक्सीडेंट हो गया जिससे काम छूट गया था। बताया जा रहा है कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

दंपति और उनकी बेटी की मौत से मोहल्ले के लोग स्तब्ध हैं। हर किसी के जहन में यह सवाल है कि आखिर कैसे तीनों की मौत हुई है। मौके पर डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। घटनास्थल पर गहनता से जांच की गई है। इंस्पेक्टर सिकंदरा का कहना है कि अभी तक खुदकुशी करने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। कमरे की तलाशी ली जा रही है। खुदकुशी का कारण पता करने का प्रयास किया जा रहा है।

## नौ फर्जी शिक्षिकाएं बर्खास्त, एफआईआर के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। फर्जी टीईटी प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी कर रहीं नौ शिक्षिकाओं को बीएसए ने बर्खास्त कर दिया है। साथ ही बीएसए भूपेंद्र सिंह ने नौ फर्जी शिक्षिकाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी आदेश दिया है।

पूरा मामला 16 अक्टूबर 2020 में हुए 69,000 सहायक अध्यापकों की भर्ती से जुड़ा है, जिन टीचर्स के टीईटी प्रमाण-पत्र फर्जी मिले हैं, उनमें मीरा देवी, सीमा देवी, कंचन, निधि सिंह, संगीता देवी, सीमा कोरी, बिंदु देवी, सुमित्रा मौर्या और रुचि प्रजापति का नाम शामिल है। इससे पहले 40 शिक्षकों की बर्खास्तगी फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर हो चुकी है जबकि अभी दर्जन भर से अधिक टीचर्स एसटीएफ की जांच के राडार पर है। बीएसए भूपेंद्र ने बताया कि अभिलेख सत्यापन में इन सभी शिक्षिकाओं के टीईटी का प्रमाण -पत्र फर्जी पाया गया, जिन्हें बर्खास्त करते हुए उनके खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए गए हैं। अभी और शिक्षक भी जांच के दायरे में हैं।

## मधुर के सुरों ने माहौल को किया सूफियाना

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। सिर पे अदब का साफा, जुबां पर तहजीब के सूफी नगमे और रूमानी हो गया अदब का शहर लखनऊ। यहां एक जुलाई को डिसटलरी होटल में सूफी नाइट का आयोजन किया गया। जैसे ही सिंगर मधुर शर्मा बॉलिवुड गीत गाना शुरू किया तो ऑडियंस पर सूफियाना खुमारी सिर चढ़कर बोलने लगा। सूफी गीतों के बीच पीछे खड़ी श्रोताओं की भीड़ लगातार जब वी मेट के नगाड़ा और जोधा-अकबर के जश्न बहारा समेत दूसरे गानों की डिमांड होती रही।

## मीडिया को किया जा रहा सत्ता के लिए इस्तेमाल!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को भ्रामक बनाकर पेश करने और फर्जी वीडियो क्लिप चलाने के मामले में टीवी चैनल जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन को नोएडा पुलिस ने हिरासत में लिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि एक एंकर की गिरफ्तारी से क्या सबक लेंगे जहरीले चैनल? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, सैयद कासिम, सुशील दुबे, रोहिण कुमार और अभिषेक कुमार ने एक लंबी चर्चा की।

सतीश के सिंह ने कहा कि कोई भी हो फैक्ट से छेड़छाड़ न करें। फैक्ट को तोड़-मरोड़कर मत पेश करिए। एंकर तो संदेशवाहक है। ये जो बयान डॉक्टरेट हुआ, उसके मूल में जाना होगा। ये जो एक प्रवृत्ति बन रही है जिसकी लाठी उसकी भैंस। हम लोग भी टूल बनते जा रहे हैं तो बहुत ही गंभीर स्थिति है। सैयद कासिम ने कहा, गालिब का एक मशविरा है कि दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना। अब हाल ये है कि प्रेस कार्ड दिखाइए। संस्थान के बारे में बताइए। मीडिया का इस्तेमाल सत्ता के लिए किया जा रहा है अगर कोई अभिषेक व संजय शर्मा बनना चाहेगा तो उसे डराया-धमकाया जाएगा। कोई पक्ष में है तो उसे ओबलाइज किया जाएगा। पूरी तैयारी के साथ चलाया गया ये वीडियो। सुशील दुबे ने कहा, देश में बेरोजगारी, महंगाई नहीं, ज्ञानवापी मुद्दा है। जब एक समुद्र के जहाज में तीन चार ही पत्रकार घूमेंगे तो पत्रकार मोदी भी बोल सकता है। रोहिण कुमार ने कहा पत्रकारों और प्रवक्ताओं की जो लाइन है वो बहुत तेजी से ब्लर हो रही है अगर कांग्रेस व बाकी पार्टियों को तो देखेंगे बतौर पत्रकार तो मालूम होगा कि भाजपा पहली बार नहीं कर रही, पहले भी था। वहीं सारी चीजें हो रही है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

# ट्रांसफर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की नाराजगी के बाद सियासत तेज

» कांग्रेस एमएलसी ने सीएम योगी को लिखा पत्र

» ट्रांसफर घोटाले की एसआईटी से जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के लेटर बम ने स्वास्थ्य विभाग से लेकर सरकार तक हड़कंप मचा दिया है। वहीं विपक्षी पार्टियां भी अब बृजेश पाठक के पत्र के जरिए योगी सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रही हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पीसी कर सरकार पर हमला बोला तो वहीं कांग्रेस एमएलसी दीपक सिंह ने सीएम योगी को पत्र लिख ट्रांसफर घोटालों की एसआईटी से जांच कराने की मांग कर डाली है।

कांग्रेस एमएलसी दीपक सिंह ने योगी को लिखे पत्र में प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान समय में योगी 2.0 चर्चा बड़े जोरों से चल थी कि प्रदेश की जनता को सरकार के 100 दिन के इस मंथन में कुछ अमृत निकालेगा, लेकिन जिस तरह से 100 दिन के मंथन में प्रदेश सरकार के दर्जनों विभागों के ट्रांसफर घोटालों का विष निकला है, उसे यूपी की जनता हजम नहीं कर पा रही है। दीपक सिंह ने ट्रांसफर घोटाले की जांच की मांग करते हुए पत्र के माध्यम से कहा कि सरकार के स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य, बेसिक शिक्षा आदि विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानान्तरण में मंत्रियों-उच्च अधिकारियों के बीच घोटालों और धन उगाही से स्वतः स्पष्ट है। यदि आप सरकार चलाने में न्यायप्रिय हैं तो ट्रांसफर घोटालों की जांच एसआईटी से कराकर स्वेत पत्र जारी कराने का कष्ट करें।

## तबादले पर हेल्थ मिनिस्टर पाठक ने उठाए थे सवाल

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के नाम से जारी पत्र में स्वास्थ्य विभाग में हुए तबादलों पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को लिखे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्तमान सत्र में जो भी स्थानांतरण किए गए हैं, उनमें स्थानांतरण नीति का पूर्णतः पालन नहीं किया गया है। इसको लेकर उप मुख्यमंत्री ने स्थानांतरण किए जाने का कारण स्पष्ट करते हुए उनका सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। पाठक के इस पत्र के वायरल होने के बाद योगी सरकार के लिए नई मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। विपक्षी नेता लगातार प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

## तबादलों को लेकर सपा मुखिया अखिलेश ने भी घेरा

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की ओर से उठाए गए स्वास्थ्य विभाग के तबादलों पर सवाल को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव भी निशाना साध चुके हैं। उन्होंने लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में पीसी करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री लखनऊ छोड़कर गए और जब वापस आए तो पता लगा कि उनसे बिना पूछे ही ट्रांसफर हो गए। 100 दिन की यही उपलब्धि है, ये वो उपमुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा छापा मारा। जहां-जहां गए कमियां दिखीं, लेकिन किसी पर कार्रवाई नहीं की। अखिलेश ने कहा कि पांच साल 100 दिन की उपलब्धि ये है कि सरकार को कोई पीछे से चला रहा है।

# फेक न्यूज, हेट स्पीच और भड़काऊ भाषण गंभीर मुद्दा : मायावती

» बसपा प्रमुख ने यूपी व छत्तीसगढ़ पुलिस के टकराव पर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने टीवी पत्रकार की गिरफ्तारी पर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पुलिस के बीच हुए टकराव को लेकर चिंता जाहिर की है। बसपा सुप्रीमो ने कहा प्रदेश में कानून का राज होना जरूरी है। जब कानून का राज होगा तभी प्रदेश विकास कर पाएगा और लोग चैन की सांस ले पाएंगे।

मायावती ने ट्वीट कर कहा कि फेक न्यूज, हेट स्पीच, भड़काऊ भाषण आदि को लेकर ताबड़तोड़ पुलिस कार्रवाई देश भर में काफी गंभीर रूप धारण कर चुकी है, जिसके तहत यूपी व छत्तीसगढ़ पुलिस के बीच कल एक टीवी पत्रकार की गिरफ्तारी को लेकर हुआ टकराव मीडिया की सुर्खियों में है व जिसकी जबरदस्त चर्चा एवं चिन्ता की लहर भी। मायावती बोलीं इस प्रकार के दुःखद घटनाक्रमों से कानून का राज नष्ट होकर आमजन-जीवन भी प्रभावित होता है। विकास के लिए अराजकता पर अंकुश जरूरी है। बता दें कि मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा था कि यूपी की भाजपा सरकार ने 100 दिन के कार्यकाल का काफी जश्न मना लिया किंतु प्रदेश में गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि की ज्वलन्त समस्याओं को दूर करने, कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने, सभी जाति व धर्मों में आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द पैदा करने के मामले में इनका कार्यकाल उदासीन व अति-निराशाजनक ही रहा है।

# नेहरू की तुष्टिकरण की नीति से दुखी थे डॉ. मुखर्जी : नड्डा

» रहस्मय तरीके से हमने अपने प्रिय नेता को खोया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर पंडित दीन दयाल पार्क में वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता देश और दुनिया में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मना रहे हैं। हम सभी को मालूम है कि 6 जुलाई, 1901 को महान राष्ट्रभक्त, महान देभक्त, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उद्योतक और महान शिक्षाविद् स्व. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ था।

जेपी नड्डा ने मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विवि के कुलपति बन गए थे। नेहरू की तुष्टीकरण की नीति से वे दुखी थे, चिंतित थे इसलिए उन्होंने जनसंघ की स्थापना की। मुखर्जी ने कहा था कि नेहरू जी आप जो जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगा रहे हैं वो देश के लिए घातक है। एक महान विचारक, महान शिक्षाविद् मुखर्जी ने बहुत कम समय में औद्योगिक नीति से भारत को मजबूती प्रदान करने का प्रयास किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगे कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने नारा दिया कि एक देश में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस बात को लेकर 11 मई को जम्मू-कश्मीर में बिना परमिट के सत्याग्रह किया गया। 11 मई को उनकी गिरफ्तारी हुई और श्रीनगर की जेल में 23 जून की प्रातः उनका रहस्य तरीके से निधन हुआ। नड्डा ने कहा कि रहस्य तरीके से हम लोगों ने अपने प्रिय नेता को खो दिया, लेकिन भारतीय जनसंघ और भाजपा ने उनकी यात्रा को सफल बनाने के लिए वर्षों से लगे रहे। मुझे खुशी है कि अदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और अमित शाह की रणनीति ने धारा 370 को जम्मू-कश्मीर से हटा दिया।

फोटो : 4 पीएम

**एग्जाम** लखनऊ। राजधानी में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 61 केन्द्रों पर आयोजित की गई है। सुबह की पाली में 29,646 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 26,421 परीक्षा में शामिल हुए हैं जबकि 3,225 अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में द्वितीय पेपर की परीक्षा जारी है।

# छत्तीसगढ़ पुलिस ढूंढती रही एंकर रोहित पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

» सात जुलाई को होगी मामले में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी के खिलाफ फेक न्यूज चलाने के आरोपी एंकर रोहित रंजन सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उनके वकील सिद्धार्थ लूथरा ने जल्द सुनवाई के लिए याचिका लगाई है। याचिका स्वीकार भी हो गई है। कल यानी गुरुवार को सुनवाई होनी है।

सिद्धार्थ लूथरा ने कहा रोहित को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बाद में जमानत पर रिहा किया था। छत्तीसगढ़ की पुलिस अब रोहित को गिरफ्तार करना चाहती है। उधर, सुबह 9 बजे छत्तीसगढ़ की रायपुर पुलिस फिर रोहित के फ्लैट पर पहुंची। वहां ताला बंद था। ये फ्लैट गाजियाबाद के इंदिरापुरम में नियो स्कॉटिस सोसाइटी में हैं। फ्लैट पर जाने से पहले गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में छत्तीसग? पुलिस ने अपने आने की सूचना भी दी थी। रोहित की फरारी पंचनामा तैयार किया गया है। उनकी तलाश की जा रही है। मंगलवार को रोहित रंजन की गिरफ्तारी में इंदिरापुरम पुलिस ने अड़चन डाली थी। इसकी शिकायत छत्तीसगढ़ के एसपी ने गाजियाबाद की एसपी क्राइम दीक्षा शर्मा से की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।